- (vi) उप खंड (ड) में, "उर्वरकों का मिश्रव" शब्दों के पश्वात् "वा सुक्ष्म-पोषक उर्वरकों का मिश्रव" शब्द अन्तःस्वाधित किए जाएंते,
- (vii) जय खंड (ट) के पश्चात् निम्नलिखित उप खंड अन्तःस्याचित किया चरुणा, अर्थात् :---
  - (ढढ) "मुक्स-पोवक उत्ररकों का सिश्रण" से अनुसूची-1 के भाग-क के उपलीवक 1(च) में विनिद्धित हो या उसते अधिक सूक्ष्म पोवक उर्दरकों का निश्रण अभिन्नेत हैं।
- (viii) उपखंड (त) के त्थाव पर निम्नलिजित उपखंड रखा जाएगा, अर्थात्:—
  - "(त)" भौतिक निश्रण" से उर्बरकों का ऐता निश्रम अधिनेत है जो कोई अपेक्षित श्रेणी उताने के लिए आवश्यक निवित्रम सामग्री के साथ या उसके बिना दो या उसने अधिक उर्वरकों को भौतिक रूप से विश्रित करके बिना किसी रसायनिक मितिकवा के बनाया गया है"
- (ix) उप-खंड (ध) में, प्रविष्ट (2) के पश्चात् विन्नतिबित प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, ग्रथीत्:--
- (3) सूक्ष्म-पोषक जर्बरकों के विश्वण के त्रवंध में वह मानक जो समुपूची 1 के भाग ज में ययाविनिविध्य अनुमेव अंतर की सीनाओं के अधीन रहते हुए राज्य सरकार द्वारा खंड 13 के उपखंड (2) के अधीन उस मिश्रण की वाबत उन्हें रिमस,

## 3. उक्त प्रादेश के खंड 12 में

- (i) "उर्वरको के विकास" सकते के पश्चात् या "सुक्य-पोचक उर्वरकों के सिश्रम" शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे,
- (ii) "16" श्रंकों के स्थान पर "15 या 16" अंक और लब्द रखे
- 4. उक्त आदेश के खंड 1.3 के स्थान पर तिल्दलिखित खंड रखा लाएगा अर्थात्:—

#### "13. उर्वरकों के लिख्या क मानज:--

- (1) इस बादेश के अन्य उपवंशों के अधीन एहते हुए, बीई भी व्यक्ति सब तक उर्वरकों के किसी मिश्रम का वितियोग नहीं करेगा जब तक कि ऐसा निजय केसीय सरकार द्वारा राजगत में जारी की चाने वाली श्रीधत्वना में विए तए जानकों के श्रमुख्य न हो ।
- (2) इस खारेश के काम उनमंत्रों के मधीन रहते हुए, तोई भी प्यतित तम तक सुश्म-पोषक उर्वएकों के किसी दिश्रम का विलिमीय नहीं करेगा जब तक कि ऐसा निजय राज्य सरकार हारा राज्यन में जारी को जाने वाली अधिशुनना में विष् गए मानकों के श्रमुख्य न हो।
- (3) इस धावेश में किसी भी भाव के लिने हुए जी में इसाईजी, जो इस जावेश के प्रकाशन की तारीज की उन नुश्वनीज ? उर्वरकों के विश्वन का पहते से ही किनियान कर रहे हैं, जिनके तिए जानक खंड 13(2) के जजीन जाने विज्ञारित नहीं किए गए हैं, ऐसी तारीज से एक वर्व को जनिज के लिए जावना राज्य तरकारों द्वारा जानक थिहित विश्व जाने तक जो जो पहते हो, तुल्य सेवश उर्देशों के ऐसे लिखनों का जिन्म के लिए निर्वाय, जिक्य, जिक्य के प्रकाशना स्टाक करना अवना विकय के लिए प्रवीय करना प्रवा विकय के ति हुई जारी रख सकते हैं कि उनन प्रविध को सनाध्व के पूर्व वे राज्य सरकार द्वारा विहित मानकों का प्रमुत्तरण करेंगे

- ग्रीर खंड 15 के ग्रजीन विनिर्माण का प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे।"
- 5) उर्धरकों का कोई निश्रम या सूक्ष्म-नोवक उर्धरकों का मिश्रम, जो उप खंड (1) या (2) में निर्मिट अधि-लुखना में विचित मानहों के अगुक्प नहीं हो, के संबंध में बिनिर्माण का जोई भी अगाम-नत्र खनुदत्त नहीं किया जाएना ।
- इस खब्द की कोई भी बात उवंदकों के दिशेष विश्वणों को जानू नहीं होगी।
- 5) इस्त बादेश के छंड 14 में उप खंड (1), उप-एंड (2) और उप-छंड (2) की मद (क) में "उर्बरकों के निश्रमण" शब्दों के नक्यात् "या तुश्य पीवश उर्वरकों के निश्रमण" काह प्रावश्यावित किए जाएंगे।
- 6) जन्त धावेश के लंड 15 में, नीर्थक, उर खंड (1) धीर उप-लंड (2) में "उर्वरकों के नित्रण" सम्बों के परचात् "वा शुक्त पोषक उर्वरकों के नित्रण" शन्त्र इन्तःस्थापित किए जाएंगे।
- 7) सक्त आदेत के एंड 17 में, शॉर्षक घोर उनके अभीन आने वाली धनिविद्यों में "उर्वरकों के निक्रण" शब्दों के परवाद "वा पुरम पोचक उर्वरकों के निक्रण" शब्द शस्तः स्मापित किए जाएंते।
- (8) इन्द्र प्रादेश के घंड 18 में, सीर्वक में और उप घंड (1) . में "वर्षकरों के विजय" शब्दों के प्रश्वात् "वा सुक्ष्म-पोटक वर्वकरों के जिल्ला" शब्द होनाः क्यारित किए जाएंगे।
- (9) उक्त बादेश के खंड 19 में, उप पंड (1) (छ) में
  - (i) "उर्वरहों के विषयु" जन्में में परवात् "मा शुज्य-योषक उर्वरहों के विजय" ग्रामी के परवात् "या गुज्यनोशक उर्वरहों के विश्वन" प्राट्य करतः स्थानित किए बाएं।।
  - (ii) "विविध्त नायक" कन्यों के पश्चाम् "(श्रमुक्तेय प्रस्तर की ऐसी सोराओं के लगीन रहते हुए की किसीम सरकार द्वारा भाव-त्रम्य दर विनिधिक किए जाएंने)" यान प्रसा स्वाधित किए जाएंने,
  - (iii) "(जुल लारहोजग, विविजय और सनोतियस साइड्रेट बिजेय कारकीरिश सन्त (धी<sub>2</sub> सो<sub>5</sub> के रूप हैं), जन-वितेय कारकीरिक शांत (धी<sub>2</sub> मो<sub>5</sub> के रूप हैं, साव-वितेय पोशात) के, भी के रूप हैं) के हंदेल में अनुहेत पातर को ऐसी सीमानों के बाधीत रहते हुए, भी केन्द्रीय सहस्तर सन्तय-तवन पर जिनिहिन्द वरि)" कीवजी, सन्धी और जंडी का सोद किया आएता।
- (10) उनत कारेज के अंड 38 के उन जंड (4) के परवात् निकारितिक वर्षको स्वादायानित निकार जाएगा, सर्वात् :—

  "(5) राज्य सरकार राज्यत के प्रतिवृक्षमा द्वारा और ऐते निकंपनी सीर गली, पर, की ऐसी अधिनुक्षमा में विविद्या की वार्ष, राज्य कर्षरक समिति वाम यह एक समिति का भठत करेगी, जिल्हीं एवा अध्यक्ष और क्रांतिक के प्रतिक के अन्य नक्ष्या होंगे, जिल्हीं उस केन्न में अनुमन या जान हो, जिल्हीं राज्य कृषि विकारितालय उर्वरक उद्योग घीर भारतीय सुक्ष-वर्षक विनिर्माता संघ के प्रतिनिधि सम्मितित हैं, जो मुक्ष-पोषक उर्वरकों के

- मिश्रण को जेगि में/लूजबोगों तथा उनके विनिर्वेशों के संबंध में राज्य सरकार को सजाह वेंगे।
- (11) उनत आदेश के प्रकृष व में, जहां कहीं "उर्वरकों के कौतिक/वानेवार निजन" जन्द आते हैं, उनके पश्चात् "सून्त-योजक उर्वरकों के शिल्यम" शन्द आतारवाचित किए जाएंगे।
- (12) उस्त बादेश के प्रक्षा च में, जहां कहीं "उई की के निश्रम" राज्य आते हैं, उनके परवात् "सुक्ष्म पीयक उर्वरकीं के निश्रम" शब्द अन्तर्रावित कि? जाएंगे।

[सं. 1-12/87-छवेरक विधि] जि. एंगाराव, संयुक्त सविव

- टेप्पण: 1. उर्वरक (नियंत्रण) आहेश, 1985 सा. का. ति 758(म्र) : तारीख 25 तितन्त्रर, 1985 द्वारा प्रकाशित किया गया था।
  - 2. उर्बरक (नियंत्रण) आवेश, 1985 की अनुसूची-1 (भाग-क) का निम्नलिखित संगोधन किया गणा:--
    - (i) सा. का. नि. 201 (ग्र) तारीख 14 फरवरी, 1986
    - (ii) सा. का. नि. 1160 (स) तालेख 21 अनुबर 1986
    - (iii) का. आ. 822 (त) तारोज 14 सितन्बर, 1987
    - (iv) का. शा. 1079 (अ) 11 विसंबर, 1987
    - (v) का. झा. 252 (अ) सारीज 11 मार्च, 1988

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 28th July, 1988

### ORDER

- S.O. 725(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby nakes the following order further to amend the Feriliser (Control) Order, 1985, namely:—
  - 1. This order may be called the Fertiliser (Control), (Third Amendment) Order, 1988.
  - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In the Fertiliser (Control) Order, 1985 (hereinafter referred to as the said order), in clause 2—
  - (i) under clause (d), the words "essential plant" shall be omitted;
  - (ii) sub-clause (g) shall be omitted;
  - (iii) for sub-clause (h), the following sub-clause shall be substituted, namely:—
    - (h) "fertiliser" means any substance used or intended to be used as a fertiliser of the soil and or crop and specified in Part-A of Schedule-I and includes a mixture of fertilier, mixtures of micro-nutrient fertilisers and special mixture of fertilisers;

- ों तथा उनके विकिर्शों के संबंध (iv) for sub-clause (j), the following sub-clause shall be substituted, namely :—
  - "(j) "grade" means the nutrient contents in the fertiliser expressed in percentage";
  - (v) in sub-clause (k)—
    - (a) the words "containing any two or more essential plant nutrients" shall be omitted;
    - (b) for the words "fertiliser materials", the word "fertilisers" shall be substituted;
  - (vi) in sub-clause (m), after the words "mixture of fertilisers", the words "or mixtures of micro-nutrient fertilisers" shall be inserted;
  - (vii) after sub-clause (n) the following sub-clause shall be inserted, namely:—
    - '(nn) "mixture of micro nutrient fertilisers"
      means a mixture of two or more micro
      nutrient fertilisers, specified under subheading 1(f) of part-A of Schedule
      1.';
  - (viii) in sub-clause (p), for the words "containing any two or more essential plant nutrients made by physically mixing", the words "made by physically mixing two or more" shall be substituted;
    - (ix) in sub-clause (q), after the entry (ii), the following entry shall be inserted, namely—
      - "(iii) in relation to a mixture of micronutrient fertilisers, the standard set out in respect of that mixture under, subclause (2) of clause 13 by the State Government, subject to limits of permissible variation as specified in part B of Schedule I".;
  - 3. In clause 12 of the said order.—(i) after the words "any mixture of fertilisers", the words "or mixtures of micro-mutrient fertilisers" shall be inserted;
  - (ii) For the letters "16", the letters and word "15 or 16" shall be substituted;
  - 4. For the clause 13 of the said order, the following clause shall be substituted, namely—"13 Standards of mixtures of Fertilisers—
    - 1) subject to the other provisions of this order no person shall manufacture any mixture of fertilisers unless such mixture conforms to the standards set out in the notification to be issued by the Central Government in the official Gazette.
    - 2) Subject to the other provisions of this order, no person shall manufacture any mixture of micro-nutrient fertilisers unless such mixture conforms to the standards set out in the notification to be issued by the State Government in the Official Gazette";

- (3) Notwithstanding any thing contained in this Order, those units which are already manufacturing mixtures of micro-nutrient fertilisers, as on the date of publication of this order, for which standards have not yet been specified under clause 13(2), may continue to manufacture for sale, sell, offer for sale, stock or exhibit for sale or distribute such mixtures of micro-nutrient fertilisers for a period of one year from such date or till the standards are prescribed by the State Covernments whichever is earlier subject to the condition that before the expiry of said period, they will follow the standards prescribed by State Government and obtain Certificate of Manufacture under clause 15".
- (4) No Certificate of Manufacture shall be granted in respect of any mixture of fertilisers or mixture of micro-nutrient fertilisers which does not conform to the standards set out in the notification referred in sub-clause (1) or (2):
- (5) Nothing in this Clause shall apply to special mixtures of fertilisers".
- 5. In clause 14 of the said order.—In sub-clause (1), sub-clause (2) and item (a) of sub-clause (2) after the words "mixture or fer ilisers", the words "or mixtures of micro-nutrients fertiliers", shall be inserted;
- 6. In Clause 15 of the said order.—(i) in the title, sub-clause (1) and sub-clause (2), after the words "mixture of fertilisers", the words "or mixture of micro nutrient fertilisers" shall be inserted;
- (ii) In sub-clause (1), for the word 'of' after the words "mixture of fertilisers", the word "or" shall be substituted;
- 7. In Clause 17 of the said order.—In the title and the entries thereunder after the words "mixture of fertilisers" the words "or mixtures of micro nutrient fertilisers" shall be inserted;
- 8. In clause 18 of the said order.—In the title and in sub-clause (1), after the words "mixtures of fertilisers", the word "or mixture of micro nutrient fertilisers" shall be inserted;
- 9. In clause 19 of the said order, in sub-clause (1) (b), (i) after the words "mixture of fertilisers", the words "or mixture of micro-nutrient fertilisers" shall be inserted;

- (ii) After the words "prescribed standard", the words "(subject to such limits of permissible variation as may be specified from time to time by the Central Government)" shall be inserted;
- (iii) The words "(subject to such limits of permissible variation in relation to total nitrogen, neutral and Ammonium Citrate soluble phosphoric Acid (P<sub>2</sub> O<sub>5</sub>), water soluble phosphoric Acid (P<sub>2</sub> O<sub>5</sub>), water soluble potash (K<sub>2</sub> O), as may be specified from time to time by the Central Government" shall be omitted.
- 10. In clause 33 of the said order, after sub-clause (4), the following sub-clause shall be inserted, namely:——
  - "(5) The State Government may by notificacation in the Official Gazette and on such terms and conditions as may be specified in such notification, constitute a Committee called the State Fertiliser Committee consisting of a chairman and not more than 5 other members, having experience or knowledge in the field, including a representative from State Agricutural University, the Fertiliser Industry and Indian Micro Fertilisers Manufacturers Association to advise the State Government regarding the grades formulations of mixture of micro-nutrient fertilisers and their specifications.
- 11. In form D, to the said order wherever the words "mixture of fertilisers" occur, after them, the words "mixtures of micro-nutrient fertilisers" shall be inserted.
- 12. In the form F, to the said order wherever the words "mixture of fertilisers" occur, after them, the words "mixture of micro-nutrient fertilisers" shall be inserted.

[No. 1-12|87-Fort. Law]

G. RANGA RAO, Jt. Secy.

- NOTE:—The Fertiliser (Control) Order, 1985 was published vide G.S.R. 758 (E) dated the 25th September, 1985.
- 2. Schedule-I (Part-A) of the Fertiliser (Control) Order, 1985 was amended vide:—
  - (i) G.S.R 201(E) dated 14th February, 1986
  - (ii) G.S.R. 1160(E) dated 21st October, 1986
  - (iii) S.O. 822(E) dated 14th September, 1987
  - (iv) S.O. 1079(E) dated 11th December, 1987
  - (v) S.O. 252(E) dated 11th March, 1988.

REGISTERED NO. D. (D.N.) 120

वित्र के. (ती. एव. )-127



असाधार्ग EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं- 379] वर्ष किस्ती, बृहस्पतिवार, जूलाई 28, 1988/आजण 6, 1910 % 379} अस्ट DELFIL, THURSDAY, JULY 28, 1988/SRAVANA 6, 1910

इस अंतर में रिक्स पृथ्ध संस्था की साती है जिससे कि कह असफ तंकारण से कर में रक्षा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

# भृष्ट मंत्रालय

मई विस्ली, 28 जुलाई, 1988

अधिसूचमा

का. मा. 726(म) --- मांतकवादी और विषटनकारी गतिविशः (तिवारक) अधिनियम 1985 (1985 का 31) की घारा 11 की उपधारा (1) के परन्तुक के साथ पिठत घारा 18 की उपधारा (1) द्वारा प्रिक्त कास्त्रत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, राजस्थान राज्य सरकार के साथ परामर्श करके एतद्वारा